<u>कृषि विज्ञान केंद्र, बरेली द्वारा "डेयरी उद्यमिता विकास" पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन</u>

कृषि विज्ञान केंद्र, बरेली, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान द्वारा "डेयरी उद्यमिता विकास" शीर्षक पर दिनांक 21 अगस्त 2023 से 25 अगस्त 2023 तक चल रहे पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा कृषको व कृषक महिलाओं को डेयरी गाय एवं भैंसो की नस्लों, डेयरी पशुओं मे आवास, प्रजनन, पोषण एवं स्वास्थ्य प्रबन्धन से जुड़ी जानकारी विस्तार से दी गई। कार्यक्रम मे कृषको को डेयरी पशुओं मे देखे जाने वाले प्रमुख संक्रामक एवं असंक्रामक रोग तथा उनका निदान, आंतरिक एवं बाह्य परजीवी रोग तथा उनका निदान, प्रजनन सम्बन्धी समस्या तथा उनका निदान, थनैला रोग का प्रबन्धन, स्वच्छ दुग्ध उत्पादन एवं प्रसंस्करण, वर्ष भर हरा चारा उत्पादन, डेयरी पशुओं मे सेक्स सोरटेड सिमेन का उपयोग क्यों और कैसे आदि महत्वपूर्ण विषयों पर कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के विभिन्न विभागो से वैज्ञानिकों तथा बी. ए.आई. एफ. के अधिकारियों ने व्याख्यान द्वारा जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम मे कृषको ने कृषि विज्ञान केंद्र के प्रदर्शन फार्म मे डेयरी सह मतस्य इकाई तथा भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र का भ्रमण कर जरूरी व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के समापन समारोह मे डॉ. हंस राज मीणा, विभागाध्यक्ष (प्रसार शिक्षा) एवं प्रभारी, कृषि विज्ञान केंद्र, श्री आर एल सागर एवं कृषि विज्ञान केंद्र के कर्मचारी उपस्थित

रहे। डॉ. हंस राज मीणा ने अपने सम्बोधन मे कृषको को डेयरी उद्यम की उपयोगिता के बारे मे जानकारी दी और कृषको को सेक्स सोरटेड सिमेन का प्रयोग कर डेयरी पशुओं का उत्पादन बढ़ाने हेतु आवाहन किया। उन्होने बताया की कृषक बंधु उन्नत डेयरी पशुओं का वीर्य भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान से प्राप्त कर सकते है। उन्होने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर आगे भी नवीन तकनीकी जानकारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े रहने की सलाह दी। कार्यक्रम मे कृषको ने भी अपने अनुभव साझा किए। कृषि षिज्ञान केंद्र द्वारा प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण पूर्व एवं पश्चात मूलयांकन भी किया गया। कार्यक्रम मे 30 कृषको ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की।